

# गीत

राग जोग कालंगरा

रहिजी अचेई शल रहिजी अचेई,  
अयोध्या जा आधार, शल रहिजी अचेई ।  
कौशल्यानन्द कुमार, शल रहिजी अचेई ॥

नढपण खां धणी तोखे ध्यायुमि,  
कौशल जा करतार । शल रहिजी०  
तुंहिजो सुखु चाहियां नींहड़ो निभायो,  
इहो दाणु दींदुमि दातार ॥ शल रहिजी०  
बनि पवनि सन्सार सुख ब्रह्म सुख,  
जुड़ियो जुगल सरकार । शल रहिजी०  
जियणु जदीअ जो जग में जानिब,  
धूड़ि धणियुनि खां धार ॥ शल रहिजी०  
अबालीअ जा अबल मिठिड़ा,  
भूनन्दिनि भला भतार । शल रहिजी०  
गरीबि गहबर बन में न छड़िजाइ,  
श्रीखण्डि जा सरदार ॥ शल रहिजी०